वन हेल्थ कैंप में 150 लोगों और 70 पशुओं की हुई जांच

संवाद न्यूज एजेंसी

गदरपुर। वन हेल्थ सपोर्ट यूनिट की ओर से ग्राम महतोष में आयोजित चिकित्सा शिविर में 150 लोगों और 70 पशुओं के स्वास्थ्य की जांच की गई। शिविर का उद्घाटन विकास अश्व कल्याण समिति के अध्यक्ष जमील अहमद ने किया। बताया कि यह कार्यक्रम बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ) के सहयोग से किया जा रहा है।

शिविर में पशुपालन विभाग ने 70 पशुओं के स्वास्थ्य की जांच की जबकि स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 150 लोगों की स्वास्थ्य जांच कर दवाओं का वितरण किया। ग्लैंडर्स के लिए एनआरसीई ने मानव नमूनों की जांच भी की।

वहां वन हेल्थ उत्तराखंड के स्टेट लीड पोजीशन डॉ. मनीष राय, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. आरके सिंह, डॉ. अभिजीत झा, डॉ. नितीश भारद्वाज, डॉ. रवि रंजन, डॉ. हरि सिंघा, डॉ. अनूप कुमार, डॉ. विकास सचान, डॉ. रवि शंकर झा सहित अनेक मौजूद रहे। संवाद

07:34
महतोष में वन हेल्थ कैं...
epaper.livehindustan.com
epaper हिन्दुस्तान
Share Copy url Save Font Size D'load Image Image Text Listen

महतोष में वन हेल्थ कैंप का आयोजन

23/03/2023

गदरपुर। गदरपुर के महतोष में वन हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। जमील अहमद, विकास अश्व कल्याण समिति के अध्यक्ष ने वन हेल्थ कैंप का उद्घाटन किया।

पशुपालन विभाग ने पशु स्वास्थ्य जांच, बीमार पशुओं के उपचार आदि की जानकारी दी। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखंड ने समुदाय के लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इसके अलावा कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। यहां स्वास्थ्य विभाग से चिकित्सक विकास सचान, रेखा अशीष कालरा, जसवीर सिंह रहे।

© 2023 All Rights Reserved. Powered by *Summit*
डिस्क्लेमर: इस वेबसाइट पर मौजूद सामग्री का कॉपीराइट हिन्दुस्तान डिजिटल स्ट्रीम्स (HTDS) के पास है। अखबार के डिजिटल वर्जन : **Read More**

सिंह सैनी, संतोष गुप्ता आदि मौजूद थे। संवाद

वन हेल्थ शिविर में इंसानों और पशुओं की जांच

गूलरभोज। क्षेत्र के ग्राम ठंडा नाला में आयोजित वन हेल्थ शिविर में 300 लोगों के साथ ही 100 पशुओं की जांच की गई। इस दौरान निशुल्क दवा वितरण के साथ ही लोगों को बीमारियों के बारे में जागरूक भी किया गया। कार्यक्रम के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. आरके सिंह ने बताया कि पशुओं से मानव और मानव से पशुओं में फैलने वाली बीमारियों की जांच, रोकथाम के लिए शिविर लगाया जा रहा है। मनोज देवराड़ी और बिलकिस बानो ने शिविर का उद्घाटन किया। शिविर में 300 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण, 21 लोगों के खून के सैंपल के साथ 100 जानवरों की जांच के साथ 18 खून, 6 गोबर, एक यूरिन और 11 टिक्स के सैंपल लिए गए। शिविर में स्वास्थ्य, पशुपालन विभाग, आईसीएमआर और एनआरसीई के अधिकारी शामिल थे। वहां डॉ. अभिजीत झा, डॉ. मनीष राय, डॉ. विकास सचान, शशि सिंह, कमालुद्दीन, लाहौरी शाह, लियाकत अली आदि मौजूद थे। संवाद

शाम नगर में पहुंचा। मंदिर के
सेवक ब्रज भूषण बंसल ने

गुरुद्वारा श्री ना
हजारों श्रद्धा

गूलरभोज में वन हेल्थ कैंप लगाया

गूलरभोज। क्षेत्र के ठंडानाला कोपा में कलंदर समुदाय के उत्थान के लिए केंद्र और राज्य सराकर के विभिन्न विभागों तत्वाधान में वन हेल्थ कैंप लगाया गया।

मंगलवार को कैंप का शुभारंभ अश्व कल्याण समूह की संस्थापक रुक्साना बेगम किया गया। इस दौरान 300 लोगों व घोड़ों समेत 100 पशुओं को जांच के बाद निःशुल्क दवाई दी गयी। यहां वन हेल्थ पायलट प्रोजेक्ट के डायरेक्टर डॉ. आरके सिंह, डॉ.मनीष राय स्टेट लीड उत्तराखंड, डॉ. विकास सचना, डॉ. रेख, डॉ. जसवीर सिंह, डॉ. रवि खुलवे, केसी नेनवाल, शशिप्रभा, शिवम कक्कड़, संजय कुमार, ग्राम प्रधान मनोज देवराड़ी, इसाक गुज्जर आदि मौजूद रहे।

वन हेल्थ कैंप

महतोष, ऊधमसिंहनगर

22 मार्च, 2023

22 मार्च 2023 को महतोष, उधमसिंह नगर में "वन हेल्थ कैंप" का आयोजन किया गया। कैंप का आयोजन वन हेल्थ सपोर्ट यूनिट (ओएचएसयू), पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार, ब्रुक इंडिया, पशुपालन विभाग (एएचडी), उत्तराखंड; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग उत्तराखंड; आईसीऐआर-नेशनल रिसर्च सेंटर ऑन इक्वाइन (एनआरसीइ, हिसार), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीऐआर) के तहत, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के साथ; भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत; पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय, जीबी पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर, आदि के सहयोग से किया गया। यह कार्यक्रम बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ) के वित्तीय सहयोग और कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ़ इंडियन इंडस्ट्री के कार्यान्वयन भागीदार के रूप में भारत सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी) द्वारा उत्तराखंड और कर्नाटक में वन हेल्थ प्रोजेक्ट के प्रारंभिक अध्ययन के रूप में ब्रिक किल्न्न समुदाय को लाभान्वित करने के लिए आयोजित किया गया । शिविर में कुल 150 मनुष्य और 70 घोड़े मौजूद थे।

जमील अहमद, विकास अश्व कल्याण समिति के अध्यक्ष ने वन हेल्थ कैंप का उद्घाटन किया, यह कार्यक्रम के "कम्युनिटी फर्स्ट" दृष्टिकोण के महत्व पर प्रकाश डालता है और इस कार्यक्रम की सफलता में समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करता है।

पशुपालन विभाग (एएचडी), उत्तराखंड ने पशु स्वास्थ्य जांच, बीमार पशुओं के उपचार, कृमि नासन और आगे की उपचार सेवाओं के लिए पशु चिकित्सालयों को रेफर करने की सुविधा प्रदान की। उन्होंने एनआरसीइ, हिसार की मदद से हीमोप्रोटोजोअन्स और परजीवी अंडो के लिए जानवरों के रक्त और मल परीक्षण भी किए। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखंड ने समुदाय के लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया, निर्धारित दवाएं दी और कृमिनाशक वितरित किए, उन्होंने आईसीएमआर की मदद से कुछ हेमेटोलॉजिकल और जैव रासायनिक जांचे भी की। आईसीएमआर ने दून मेडिकल कॉलेज, देहरादून की लैब के सहयोग से न्यूट्रिशनल मार्कर परीक्षण, सूक्ष्मजीवविज्ञानी परीक्षण, किलनी सर्वेक्षण और जूनोटिक रोगों की जांच की। आईसीएमआर - एनआईवी, पुणे और आईसीएमआर, पुडुचेरी के वेक्टर कंट्रोल रिसर्च सेंटर भी इन परीक्षणों को करने में आईसीएमआर के साथ शामिल थे। एनआरसीई, हिसार ने जानवरों और मनुष्यों से ग्लैंडर्स और ट्रिपैनोसोमोसिस के लिए नमूने एकत्र किए। ग्लैंडर्स के लिए एनआरसीई द्वारा मानव नमूनों का भी परीक्षण किया गया। कार्यक्रम के दौरान वन हेल्थ पर उन्मुखीकरण, ज़ूनोस, संक्रामक और जूनोटिक रोगों को रोकने के लिए जैव सुरक्षा प्रथाओं, अच्छी

पशुपालन प्रथाओं से संबंधित जागरूकता सहित विभिन्न विस्तार गतिविधियाँ की गईं। यह वन हेल्थ कैंप ज्ञान साझा करने, विचारों का आदान-प्रदान करने और सभी की भलाई के लिए काम करने के लिए विशेषज्ञों और समुदाय के सदस्यों को एक साथ लाकर, मनुष्यों और जानवरों दोनों के स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार करने का एक बड़ा अवसर साबित हुआ है।

One Health Camp

Mahtosh, Udham Singh Nagar

March 22, 2023

The “One Health Camp,” was organized in Mahtosh, Udham Singh Nagar with the collaboration of partners including One Health Support Unit (OHSU), Department of Animal Husbandry & Dairying, GoI; Brooke India, Animal Husbandry Department (AHD), Uttarakhand; Health and Family Welfare Department; Uttarakhand, ICAR-National Research Centre on Equine (NRCE, Hisar) under Indian Council of Agricultural Research (ICAR) with Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, GoI; Indian Council of Medical Research (ICMR) under Ministry of Health & Family Welfare, GoI; College of Veterinary Sciences, G B Pant University of Agriculture & Technology, Pantnagar, etc. to benefit the Brick Kiln equine owner community. The Program was held as part of the pilot interventions of the One Health project in Uttarakhand and Karnataka states by the Department of Animal Husbandry & Dairying (DAHD), Government of India with the financial support of Bill & Melinda Gates Foundation (BMGF) and the Confederation of Indian Industry (CII) as the implementing agency. A total of 150 humans and 70 equines were present in the camp.

Jameel Ahmed, who is the president of Vikas Ashwa Kalyan Samiti, inaugurated the One Health Camp, which emphasized the importance of the "Community First" approach of the program. This approach acknowledges the vital role of the community in the initiative's success.

The Animal Husbandry Department (AHD), Uttarakhand facilitated the animal health check-ups, treatment of sick animals, deworming of animals, prescription of medicines, and referral to vet hospitals for further treatment services. They also performed blood and fecal examination of animals for haemoprotozoans in blood and parasitic eggs in faeces of animals with the help of NRC, Equine. The Health and Family Welfare Department, Uttarakhand performed health check-up of community people, prescribed medicines and distributed dewormers to the participants, they also performed some haematological and biochemical investigations with the help of ICMR. ICMR performed nutritional markers testing, microbiological testing, ticks survey, screening for zoonotic diseases with the support of Lab of Doon Medical College, Dehradun. ICMR-NIV, Pune, and Vector Control Research Centre of ICMR, Puducherry were also involved with ICMR in performing these tests. NRCE, Hisar collected samples for

Glanders and Trypanosomosis from animals and humans. Human samples were also tested by NRCE for Glanders.

Various extension activities including orientation on One Health, awareness on zoonoses, biosecurity practices to prevent infectious and zoonotic diseases, good animal husbandry practices were carried out during the event. This One Health camp has proved to be a great opportunity to improve the health and welfare of both humans and animals, by bringing together diverse group of experts and community members to share knowledge, exchange ideas, and work towards well-being of all.

वन हेल्थ कैंप

गूलर भोज, ऊधमसिंहनगर

21 मार्च, 2023

21 मार्च 2023 को गूलर भोज, उधमसिंह नगर में "वन हेल्थ कैंप" का आयोजन किया गया। कैंप का आयोजन वन हेल्थ सपोर्ट यूनिट (ओएचएसयू), पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार, ब्रुक इंडिया, पशुपालन विभाग (एएचडी), उत्तराखंड; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग उत्तराखंड; आईसीऐआर-नेशनल रिसर्च सेंटर ऑन इक्वाइन (एनआरसीइ, हिसार), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीऐआर) के तहत, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के साथ; भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत; पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय, जीबी पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर, आदि के सहयोग से किया गया। यह कार्यक्रम बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ) के वित्तीय सहयोग और कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ़ इंडियन इंडस्ट्री के कार्यान्वयन भागीदार के रूप में भारत सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी) द्वारा उत्तराखंड और कर्नाटक में वन हेल्थ प्रोजेक्ट के प्रारंभिक अध्ययन के रूप में कलंदर समुदाय को लाभान्वित करने के लिए आयोजित किया गया । शिविर में कुल 300 मनुष्य और 100 पशु जिनमें घोड़े, बकरी और गाय शामिल थे, मौजूद थे। यह पहली वैश्विक आयोजन है जहां सभी हितधारक वन हेल्थ के सिद्धांत को लागू करने के लिए सामुदायिक स्तर पर सक्रिय रूप से भाग ले रहे थे।

रुक्साना बेगम, प्रयास अश्व कल्याण समूह की संस्थापक ने वन हेल्थ कैंप का उद्घाटन किया, यह कार्यक्रम के "कम्युनिटी फर्स्ट" दृष्टिकोण के महत्व पर प्रकाश डालता है और इस कार्यक्रम की सफलता में समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करता है।

पशुपालन विभाग (एएचडी), उत्तराखंड ने पशु स्वास्थ्य जांच, बीमार पशुओं के उपचार, कृमि नासन और आगे की उपचार सेवाओं के लिए पशु चिकित्सालयों को रेफर करने की सुविधा प्रदान की। उन्होंने एनआरसीइ, हिसार की मदद से हीमोप्रोटोजोअन्स और परजीवी अंडो के लिए जानवरों के रक्त और मल परीक्षण भी किए। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखंड ने समुदाय के लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया, निर्धारित दवाएं दी और कृमिनाशक वितरित किए, उन्होंने आईसीएमआर की मदद से कुछ हेमेटोलॉजिकल और जैव रासायनिक जांचे भी की। आईसीएमआर ने दून मेडिकल कॉलेज, देहरादून की लैब के सहयोग से न्यूट्रिशनल मार्कर परीक्षण, सूक्ष्मजीवविज्ञानी परीक्षण, किलनी सर्वेक्षण और जूनोटिक रोगों की जांच की। आईसीएमआर - एनआईवी, पुणे और आईसीएमआर, पुडुचेरी के वेक्टर कंट्रोल रिसर्च सेंटर भी इन परीक्षणों को करने में आईसीएमआर के साथ शामिल थे। एनआरसीई, हिसार ने जानवरों और मनुष्यों से ग्लैंडर्स और ट्रिपैनोसोमोसिस के लिए नमूने एकत्र किए। ग्लैंडर्स के लिए

एनआरसीई द्वारा मानव नमूनों का भी परीक्षण किया गया। कार्यक्रम के दौरान वन हेल्थ पर उन्मुखीकरण, ज़ूनोस, संक्रामक और जूनोटिक रोगों को रोकने के लिए जैव सुरक्षा प्रथाओं, अच्छी पशुपालन प्रथाओं से संबंधित जागरूकता सहित विभिन्न विस्तार गतिविधियाँ की गईं। यह वन हेल्थ कैंप ज्ञान साझा करने, विचारों का आदान-प्रदान करने और सभी की भलाई के लिए काम करने के लिए विशेषज्ञों और समुदाय के सदस्यों को एक साथ लाकर, मनुष्यों और जानवरों दोनों के स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार करने का एक बड़ा अवसर साबित हुआ है।

One Health Camp

Gular Bhoj, Udham Singh Nagar

March 21, 2023

The “One Health Camp,” was organized in Gular Bhoj, Udham Singh Nagar with the collaboration of partners including One Health Support Unit (OHSU), Department of Animal Husbandry & Dairying, GoI; Brooke India, Animal Husbandry Department (AHD), Uttarakhand; Health and Family Welfare Department; Uttarakhand, ICAR-National Research Centre on Equine (NRCE, Hisar) under Indian Council of Agricultural research (ICAR) with Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, GoI; Indian Council of Medical Research (ICMR) under Ministry of Health & Family Welfare, GoI; College of Veterinary Sciences, G B Pant University of Agriculture & Technology, Pantnagar, etc. to benefit the Qalandar Community. The Program was held as part of the pilot interventions of the One Health project in Uttarakhand and Karnataka states by the Department of Animal Husbandry & Dairying (DAHD), Government of India with the financial support of Bill & Melinda Gates Foundation (BMGF) and the Confederation of Indian Industry (CII) as the implementing agency. A total of 300 humans and 100 animals including equines, goat and cattle were present in the camp. This is the first global event where all stakeholders were actively participating at the community level to implement the concept of One Health.

Ruksana Begum, who is the founder of Prayas Ashwa Kalyan Samuha, inaugurated the One Health Camp, which emphasized the importance of the "Community First" approach of the program. This approach acknowledges the vital role of the community in the initiative's success.

The Animal Husbandry Department (AHD), Uttarakhand facilitated the animal health check-ups, treatment of sick animals, deworming of animals, prescription of medicines, and referral to vet hospitals for further treatment services. They also performed blood and fecal examination of animals for haemoprotozoans in blood and parasitic eggs in faeces of animals with the help of NRC, Equine. The Health and Family Welfare Department, Uttarakhand performed health check-up of community people, prescribed medicines and distributed dewormers to the participants, they also performed some haematological and biochemical investigations with the help of ICMR. ICMR performed nutritional markers testing, microbiological testing, ticks survey, screening for zoonotic diseases with the support of Lab of Doon Medical College, Dehradun. ICMR-NIV, Pune and Vector Control Research Centre of ICMR, Puducherry were

also involved with ICMR in performing these tests. NRCE, Hisar collected samples for Glanders and Trypanosomosis from animals and humans. Human samples were also tested by NRCE for Glanders.

Various extension activities including orientation on One Health, awareness on zoonoses, biosecurity practices to prevent infectious and zoonotic diseases, good animal husbandry practices were carried out during the event. This One Health camp has proved to be a great opportunity to improve the health and welfare of both humans and animals, by bringing together diverse group of experts and community members to share knowledge, exchange ideas, and work towards well-being of all.